

1 cup

28/6/18

आज यह पत्र (पत्र) लिख करे करे का प्रेम है
प्रेम है। इसलिये प्रेमियों की ओर से प्रेम
जायज दया प्रेम है। वही व शायद ही उभर
वही का वही दिखी किये जाया है कि किये
पुनः से प्रेमियों प्रेमियों किये जाया प्रेमियों
प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों
प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों
प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों प्रेमियों (cup


मि. मिनादीनी

अनपनी कठिनी
ओमकार

Id
Pampas
28/6/18

राजस्थान सरकार

(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

(न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम)
(पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/केम्प कोर्ट) कैम्प कोटकासिम

पीठासीन अधिकारी श्री विष्वा मिश्र जी.एस. उन्वान राज. सरकार
अनूपम बनाम

राधा खासत:- 88, 89 राज. का. 30. 30. 30.
सकलमा नम्बर:- 151/18
निर्णय दिनांक:- 28.6.2018

वादी की ओर से श्री अनूपम की व प्रतिवादी की ओर से श्री विष्वा मिश्र
को उपस्थिति में आज तारीख 28.6.2018 को (नाम पीठासीन अधिकारी) के समक्ष अन्तिम
लिपिपत्रों के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिग्री दी जाती कि - विवाह का राजी हण ख. न.
520/0-02, 634/3-03, 505/2-13 वीधा एवं राज. का. 30. 30. 30. जो स्वाभाविक पक्षीय
कोर्ट के अंतर्गत वादी का वाद डिक्री विधा जाता है। विवाह का राजी हण ख. न.
का नाम राज. का. 30. 30. 30. से राज. का. 30. 30. 30. को विधा जावे। इसी राज. का. 30. 30. 30. में राज. का.
30. 30. 30.

खर्चा पक्षकारन अपना-अपना वहन करेंगे।
यह आज तारीख 28.6.18 को मौ हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

(विष्वा मिश्र जी.एस.)
28/6/18

पीठासीन अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम

वाद के खर्चे